भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा कलुंड पंचायत में किसान गोष्ठी एवं अतिनिर्धन अनुसूचित जाति के पशुपालकों को आवश्यक पशु दवाईयां वितरित

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा कलुंड पंचायत में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। किसान गोष्ठी में 70 किसानों/पशुपालकों ने भाग लिया। किसान गोष्ठी के दौरान फुटरॉट रोग परियोजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति उपयोजना में प्राप्त निधि के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के अतिनिर्धन 35 किसान/पशुपालक लाभार्थियों को 10 लीटर तरल कैल्शियम, 2 बोलस कृमिनाशक, 1 लीटर लीवर टॉनिक एवं एक तसला प्रति पशुपालक आवंटित किया गया। किसान गोष्ठी में डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा सभी पशुपालकों को "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" के अन्तर्गत संविधान के प्रति शपथ दिलवाई गई। उन्होंने अपने संबोन्धन के दौरान संविधान की चर्चा के साथ पशुओं के लिये आवंटित आवश्यक दवाईयों कैल्शियम, कृमिनाशक एवं लीवर टॉनिक उपयोगिता की जानकारी दी।

फुटरॉट परियोजना पीआई डा. रिंकु शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा लाभार्थियों को भेड़ और बकरियों में फुटरॉट की समस्या के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि फुटरॉट भेड़ और बकरियों का एक अत्यधिक संक्रामक रोग है, जिसकी मुख्य पहचान लंगड़ापन और खुरों का संक्रमण है। यह संक्रमित भेड़ों और बकरियों से जमीन पर फैलता है, और फिर अन्य स्वस्थ भेड़ें और बकरियां इससे संक्रमित होती हैं एवं ऊन और दूध उत्पादन में कमी, वजन घटता है। इस कारण भेड़ एवं बकरी पालन उद्योग को बड़ा आर्थिक नुकसान होता है। फुटरॉट से बचाव हेतु संक्रमित भेड़ों और बकरियों को तुरंत अलग रखना चाहिए एवं उपचार के बाद इन्हें साफ और सूखी सतह पर रखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु श्री आर. रणजीत सिंह, तकनीकी अधिकारी एवं कलुंड पंचायत प्रधान श्री नरेन्द्र भट्ट की विशेष भूमिका रही।